



Tropical Forest Research Institute, Jabalpur (M.P.)

Invites You To The

National Conference (virtual mode)

On

“Value addition and Marketing of NTFPs”

(under Azadi ka Amrit Mahotsav)

16th DECEMBER 2021



The NTFPs play important roles in the livelihoods of millions of rural and urban people across the globe. The tribal community of India collects NTFPs, estimated to be worth around Rs. two trillion annually. Besides, approximately 275 million poor rural people in India, depend on NTFPs for at least part of their subsistence and cash livelihoods through collection, harvest and sale of the produce. However, these collections and sale don't translate into prosperity and steady income for the community. The purpose of this National conference is to provide a platform to all the stakeholders to share their views and experiences on various issues related to NTFPs in ensuring improved livelihoods of dependent communities.



Call for the abstract

Researchers, Academicians, Forest Department officials, Entrepreneurs, NTFP traders/ gatherers, NGOs, Industrialists etc. working on NTFPs and medicinal plants are invited to participate and make presentations on related themes. Abstracts are invited and Power Point Presentations of selected abstracts will be done. The national conference will also lead the sharing of experiences and charting future course of action during the technical sessions and panel discussions.

Abstracts of about 300 words including concise title, name of author (s), affiliation and 4 to 5 key words, Times New Roman, font size 12 and spacing 1.5 (MS word), should sent to organizing secretary through email: ntfpconference.tfri@gmail.com
Abstracts may be submitted either in English or Hindi. The selected presenters will be intimated and the link for joining the programme online will also be communicated.

E- Certificates will be provided to the participants

Themes of the conference

- Conservation of NTFPs - RET species
- Resource assessment and augmentation of NTFPs
- Collection, harvesting, processing and value addition of NTFPs
- Quality standardization and certification of NTFPs
- NTFPs marketing: Issues and strategies

Date of Conference:
16 December 2021

Last date of Abstract submission:
28 November 2021

Acceptance notification Latest by:
05 December 2021

Patron

Dr. A. S. Rawat, IFS
DG, ICFRE, Dehradun

Convenor

Dr. G. Rajeshwar Rao, ARS
Director, TFRI

Organizing Secretary

Dr. Hari om Saxena

Jt. Secretaries

Dr. M. Kundu
Dr. N. berry
Mr. Neeraj Prajapati



उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर (म.प्र.)

आपको आमंत्रित करता है

“अकाष्ठ वनोपजों का मूल्यवर्धन और विपणन”

पर

राष्ट्रीय सम्मेलन (वर्चुअल मोड)

(आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत)

16 दिसंबर 2021



अकाष्ठ वनोपज दुनिया भर में लाखों ग्रामीण और शहरी लोगों की आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में आदिवासी समुदाय द्वारा एकत्र किये जाने वाले अकाष्ठ वनोपज की सालाना कीमत लगभग दो ट्रिलियन रुपये है। भारत में लगभग 275 मिलियन गरीब ग्रामीण अपने जीवन निर्वाह और नकद आजीविका के लिए अकाष्ठ वनोपज के संग्रहण, विदोहन, बिक्री पर निर्भर हैं। हालांकि, इनका संग्रहण और बिक्री समुदाय की सतत समृद्धि और नियमित आय में तब्दील नहीं होती हैं। इस राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य आश्रित समुदायों की बेहतर आजीविका सुनिश्चित करने के लिए सभी हितग्राहियों को अकाष्ठ वनोपज से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार और अनुभव साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

सार के लिए कॉल

अकाष्ठ वनोपज पर काम करने वाले शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, वन विभाग के अधिकारियों, उद्यमियों, व्यापारियों / संग्रहणकर्ताओं, गैर सरकारी संगठनों, आदि को इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने और संबंधित विषयों पर प्रस्तुतिकरण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। कुल प्राप्त सार में से चयनित सार को पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन हेतु आमंत्रित किया जायेगा। राष्ट्रीय सम्मेलन तकनीकी सत्रों और पैनल चर्चाओं के दौरान अनुभवों को साझा करने और भविष्य की कार्यवाई के विवरण पट का नेतृत्व करेगा।

संक्षिप्त शीर्षक, लेखक का नाम, संबद्धता और 4 से 5 प्रमुख शब्द, Kruti Dev 010, फ़ॉन्ट आकार 12 और रिक्ति 1.5 (एमएस शब्द) सहित लगभग 300 शब्दों के सार, ईमेल (ntfpconference.tfri@gmail.com) के माध्यम से आयोजन सचिव को भेज सकते हैं।

सार अंग्रेजी या हिंदी में प्रस्तुत किया जा सकता है। चयनित सारों (अब्स्ट्रैक्ट्स) को राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया जाएगा। ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मिलित होने हेतु लिंक भी साझा किया जाएगा।

सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

सम्मेलन के विषय

- विलुप्त हो रहे अकाष्ठ वनोपजों का संरक्षण
- अकाष्ठ वनोपजों का संसाधन मूल्यांकन एवं संवर्द्धन
- अकाष्ठ वनोपजों का संग्रहण, कटाई, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन
- अकाष्ठ वनोपजों का गुणवत्ता मानकीकरण और प्रमाणन
- अकाष्ठ वनोपजों का बाजार : मुद्दे और रणनीतियाँ

सम्मेलन की तिथि:
16 दिसंबर 2021

सार प्रस्तुत करने की
अंतिम तिथि:
28 नवंबर 2021

सार स्वीकृति सूचना:
05 दिसंबर 2021

संरक्षक

डॉ. ए.एस. रावत, आईएफएस
डीजी, आईसीएफआरई, देहरादून

संयोजक

डॉ. जी. राजेश्वर राव, एआरएस
निदेशक, टीएफआरआई

आयोजन सचिव

डॉ. हरिओम सक्सेना

संयुक्त सचिव

डॉ. एम. कुंडू

डॉ. ननिता बेरी

श्री नीरज प्रजापति